



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि-भूमि	1-4-26	12	3-7

एचएयू में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर हुआ रिफ्रेशर कोर्स

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से बदल रहा शिक्षा का स्वरूप

शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी
व्यक्तिगत और स्मार्ट बना रही
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

हरिगूमि न्यूज || हिंसर



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

टेक्नोलॉजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स आज के डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए बहुत

आवश्यक है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है। एजुकेशन टेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और यह शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत और स्मार्ट बना रही है।

एआई डेटा विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन करता है और उनकी कमजोरियों एवं मजबूत पक्षों की पहचान करता है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. रेणु मुंजाल ने रिफ्रेशर कोर्स के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. जितेंद्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	1-4-26	03	7-8

'एजुकेशनल टेक्नोलाजी से बदल रहा शिक्षा का स्वरूप'



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रतिभागियों के साथ • विज्ञप्ति

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एजुकेशनल टेक्नोलाजी विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलाजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल

टेक्नोलाजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, आनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलाजी पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स आज के डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए बहुत आवश्यक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजला	1-4-26	02	6-7

शैक्षणिक तकनीक बदल रही है शिक्षा का स्वरूप : प्रो. कांबोज



प्रतिभागियों के साथ एचएयू हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज। स्रोत : विधि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में शैक्षिक तकनीक विषय पर आयोजित रीफ्रेशर कोर्स का समापन हुआ। समापन सत्र में विवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में शैक्षणिक तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

कुलपति ने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स छात्रों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। एआई छात्रों की प्रगति का विश्लेषण करता है और उनके सीखने के

एचएयू में शैक्षिक तकनीक पर रीफ्रेशर कोर्स संपन्न

स्तर के अनुसार सामग्री उपलब्ध कराता है जिससे शिक्षकों को बेहतर मार्गदर्शन में मदद मिलती है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि कोर्स में प्रतिभागियों को कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास और ई-लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों से प्रशिक्षित किया गया। एसोसिएट निदेशक डॉ. रेणु ने कोर्स के सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. जितेंद्र भाटिया ने आभार जताया और डॉ. अनुराग ने कार्यक्रम का संचालन किया। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	1-4-26	05	4-8

एजुकेशनल टेक्नॉलोजी से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप : प्रो. कम्बोज

हिसार, 31 मार्च (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेश कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित रिफ्रेश कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेश

कोर्स आज के डिजिटल युग में बना रही है। एआई डेटा विश्लेषण के क्षमता के अनुसार कंटेंट तैयार करता



कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

शिक्षकों के लिए बहुत आवश्यक है। माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति का

हकूवि में रिफ्रेश कोर्स का हुआ समापन

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और यह शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत और स्मार्ट

आकलन करता है और उनकी कमजोरियों एवं मजबूत पक्षों की पहचान करता है। इससे शिक्षकों को छात्रों का बेहतर मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है। एआई प्रत्येक छात्र की सीखने की गति, रुचि और

है। इससे छात्र को वही सामग्री मिलती है जो उसके स्तर के अनुसार उपयुक्त है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के

दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास तथा ई लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। यह उन्हें पारंपरिक शिक्षण से आगे बढ़कर स्मार्ट, डिजिटल और इंटरैक्टिव शिक्षा प्रणाली अपनाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने बताया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षा तकनीकों की जानकारी मिलने के साथ-साथ प्रभावी शिक्षण कौशल, ऑनलाइन और ब्लेंडेड लर्निंग, डिजिटल मूल्यांकन, शिक्षण डाटा एनालिसिस जैसी नवीनतम जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है। एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. रेणु मुंजाल ने रिफ्रेश कोर्स के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों की सीएम रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. जितेंद्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	1-4-26	03	07

**एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से बदल रहा
शिक्षा का स्वरूप: प्रो. बलदेव राज**

हिसार/हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। कोर्स के समापन अवसर पर विवि कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। कुलपति काम्बोज ने कहा कि डिजिटल युग में स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास तथा ई लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केशरी	1-4-26	04	1-2

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप: प्रो. काम्बोज



कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रतिभागियों के साथ।

हकृति में रिफ्रेशर कोर्स का हुआ समापन

हिसार, 31 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि

शिक्षकों के लिए, और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स आज के

डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए बहुत आवश्यक है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. रेणु मुंजाल ने रिफ्रेशर कोर्स के दौरान आयोजित किए गए विभिन्न सत्रों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की।

डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	31.03.2026	--	--

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप : प्रो. बीआर कांबोज

हकृवि में रिफ्रेश कोर्स का हुआ समापन, आधुनिक तकनीकों से करवाया अवगत

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेश कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित रिफ्रेश कोर्स के समापन अवसर पर कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज ने कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और



आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेश कोर्स आज के डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए बहुत आवश्यक है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास तथा ई लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। यह उन्हें पारंपरिक शिक्षण से आगे बढ़ाकर स्मार्ट, डिजिटल और

इंटरैक्टिव शिक्षा प्रणाली अपनाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने बताया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षा तकनीकों की जानकारी मिलने के साथ-साथ प्रभावी शिक्षण कौशल, ऑनलाइन और ब्लेंडेड लर्निंग, डिजिटल मूल्यांकन, शिक्षण डाटा एनालिसिस जैसी नवीनतम जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण न्यूज	31.03.2026	--	--

एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप: प्रो. बलदेव राज काम्बोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'एजुकेशनल टेक्नोलॉजी' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी का उपयोग न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि शिक्षकों के लिए और भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे डिजिटल टूल्स विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्ति के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स



आज के डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए बहुत आवश्यक है। एजुकेशनल टेक्नोलॉजी से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है। एजुकेशन टेक्नोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और यह शिक्षा प्रणाली को अधिक प्रभावी, व्यक्तिगत और स्मार्ट बना रही है। एआई डेटा विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन करता है और उनकी कमजोरियों एवं मजबूत पक्षों की पहचान करता है। इससे शिक्षकों को छात्रों का बेहतर मार्गदर्शन करने में सहायता मिलती है। एआई प्रत्येक छात्र की सीखने की गति, रुचि और क्षमता

के अनुसार कंटेंट तैयार करता है। इससे छात्र को वही सामग्री मिलती है जो उसके स्तर के अनुसार उपयुक्त है।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास तथा ई लर्निंग जैसी आधुनिक तकनीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया। यह उन्हें पारंपरिक शिक्षण से आगे बढ़ाकर स्मार्ट, डिजिटल और इंटरैक्टिव शिक्षा प्रणाली अपनाने में सक्षम बनाएगा।



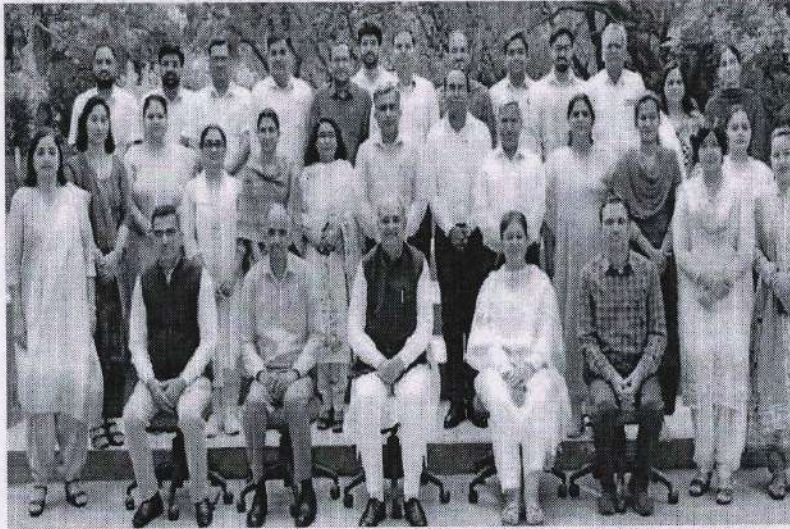
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
डेमोक्रेटिक फ्रंट	31.03.2026	--	--

शैक्षिक प्रौद्योगिकी से बदल रहा है शिक्षा का स्वरूप : प्रो. कम्बोज

हकूति में रिफ्रेशर कोर्स का समापन हुआ

डेमोक्रेटिक फ्रंट हिंसर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी विषय पर रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन किया गया। मानव संसाधन प्रबंधन प्रबंधन में रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के फादर प्रो. बलदेव राज कांबोज प्रमुख मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। पितृ पक्ष बलदेव राज कांबोज ने अपनी किताब में कहा कि शैक्षिक प्रौद्योगिकी शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है। आज के डिजिटल युग में शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल विद्यार्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण उपकरणों के लिए किया जाने लगा है। उन्होंने बताया कि डिजिटल टूलस छात्रों को स्मार्ट क्लासरूम, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, वर्चुअल लैब और आर्टिफिशियल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (आर्टिफिशियल टेक्नोलॉजी) जैसे नए



अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में एजुकेशनल टेक्नोलॉजी पर आधारित रिफ्रेशर कोर्स आज के लिए बहुत जरूरी है। शैक्षिक प्रौद्योगिकी से शिक्षा का स्वरूप बदला जा रहा है। शिक्षा प्रौद्योगिकी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भूमिका

तेजी से बढ़ रही है और यह शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावशाली, व्यक्तिगत और स्मार्ट बन रही है। मेटल डेटा विश्लेषण के माध्यम से छात्रों को प्रगति का सारांश और उनके छात्रों की मजबूत नींव की पहचान की जाती है। इससे छात्रों को सबसे अच्छी

दिशा निर्देश देने में सहायता मिलती है। संस्थान प्रत्येक छात्र को सीखने की गति, रुचि और क्षमता के अनुसार तैयारी करता है। इस छात्र को सामग्री सामग्री उसके स्तर के अनुसार उपयुक्त है। संसाधन प्रबंधन प्रबंधन के निदेशक डॉ.

रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के दौरान कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास और ई लर्निंग जैसे आधुनिक तकनीक के बारे में अध्ययन किया गया। यह उन्हें पारंपरिक शिक्षण से आगे बढ़ाता है, स्मार्ट, डिजिटल और इंटरैक्टिव शिक्षा प्रणाली में सक्षम बनाता है। उन्होंने बताया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से नई शिक्षा प्रौद्योगिकी की जानकारी मॉडिंग के साथ-साथ प्रभावशाली शिक्षण कौशल, ऑनलाइन और मिश्रित शिक्षण, डिजिटल आकलन, शिक्षण डेटा एना सहायता जैसी नवीनतम जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

एसोसिएट्स एसोसिएट्स डॉ. नेनु मुंजाल ने रिफ्रेशर कोर्स के दौरान विभिन्न सत्रों को भव्य रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. फिजियोथेरेपी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। मंच का संचालन डॉ. अनुराग ने किया। इस अवसर पर कुल सचिव सहित विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं महाविद्यालय उपस्थित रहे।